अभिनेता बोले — राम को राजनीति नहीं, आचरण और समरसता के नजरिए से देखें

राम आज भी प्रासंगिक हैं, इसलिए हो रहा है 'हमारे राम' का मंचन : आशुतोष राणा

"राम प्राचीन नहीं हैं, राम आज भी हैं और यही कारण है कि आज भी 'हमारे राम' जैसे महानाट्य का मंचन हो रहा है।" यह कहना है प्रसिद्ध अभिनेता आशुतोष राणा का। हरिभूमि को दिए टेलीफोनिक इंटरव्यू में अभिनेता ने प्रभु श्रीराम के जीवन दर्शन, आधुनिक समाज में उनकी प्रासंगिकता और समरसता के संदेश पर खुलकर अपने विचार रखे।

संजय साहू

हरिभूमि, जबलपुर। देश-विदेश में चर्चित भव्य महानाट्य 'हमारे राम' में रावण की भूमिका निभा रहे आशुतोष राणा ने कहा कि राम केवल धार्मिक आस्था के प्रतीक नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला हैं। उन्होंने कहा कि "राम को हमें अपने जीवन में उतारना चाहिए। चाहे वह मर्यादा पुरुषोत्तम राम हों, आदर्श पुत्र, आदर्श पति या आदर्श राजा — हर रूप आज भी समाज को दिशा देता है।" उन्होंने कहा कि रामकथा हमें बल और मर्यादा का संतुलन सिखाती है। यदि शक्ति के साथ मर्यादा न हो तो वह विनाशकारी बन जाती है। आज समाज की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि लोग राम के चरणों की पूजा तो करते हैं, लेकिन उनके आचरण को अपने जीवन में नहीं उतारते। उन्होंने कहा कि "सच्ची सार्थकता राम को मानने में नहीं, बल्कि राम की मानने में है।"

युवा पीढ़ी के लिए भी प्रासंगिक हैं राम

आधुनिक युवा पीढ़ी के संदर्भ में अभिनेता ने कहा कि राम के आदर्श कभी पुराने नहीं हो सकते। आज भी हर व्यक्ति को एक मर्यादित पुत्र, निष्ठावान मित्र, आदर्श भाई और न्यायप्रिय नेतृत्व की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बदलते दौर में भी राम का चरित्र समाज को संयम, त्याग और कर्तव्य की सीख देता है।

मंचन से पहले होता है सात्विक माहौल

महानाट्य 'हमारे राम' के मंचन के अनुभव साझा करते हुए आशुतोष राणा ने बताया कि नाटक की शुरुआत आरती और पूजन से होती है, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक हो जाता है। दर्शक भी उसी भाव में एकाकार हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि पूजनीय गुरुदेव दद्दा जी की कृपा और इसी आत्मिक ऊर्जा के कारण अब तक इस महानाट्य के 472 सफल शो पूरे हो चुके हैं।

"राम को राजनीति के चश्मे से देखना बंद करना होगा"

देश के वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक माहौल पर टिप्पणी करते हुए अभिनेता ने कहा कि राम किसी एक वर्ग, दल या विचारधारा के नहीं हैं। उन्हें राजनीति के नजरिए से देखने के बजाय सामाजिक समरसता और आस्था के भाव से देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस तरह भगवान राम ने शबरी के बेर खाए, केवट को अपनाया और वानरों को गले लगाया, उसी तरह आज देश को भी एकजुटता और समरस समाज की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि "राम सबके हैं। समाज को जोड़ने वाला उनका संदेश आज पहले से कहीं ज्यादा जरूरी है।"

महाकोशल शहीद स्मारक प्रेक्षागृह में संगीत प्रेमियों ने उठाया संगीतमय शाम का आनंद

मैलोडी नाइट में गूंजे नए-पुराने गीतों के सुर

जबलपुर। महाकोशल शहीद स्मारक ऑडिटोरियम में शनिवार शाम आयोजित मैलोडी नाइट ने शहर के संगीत प्रेमियों को यादगार संगीतमय अनुभव दिया। ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस भव्य संगीत संध्या में पुराने और नए दौर के लोकप्रिय गीतों की शानदार प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखा। कार्यक्रम में शहर के संगीत प्रेमियों की बड़ी संख्या मौजूद रही, जिन्होंने कलाकारों की प्रस्तुतियों का तालियों से उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एसके निगम, सेलिब्रिटी गेस्ट सूरज चड्ढा एवं विशिष्ट अतिथि सतविंदर कौर विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम शहर की कला और संगीत परंपरा को जीवंत बनाए रखते हैं तथा युवा कलाकारों को मंच प्रदान करते हैं।

मैलोडी नाइट का मुख्य आकर्षण बॉलीवुड सिंगर असलम हमदुले की प्रस्तुति रही। उन्होंने अपने मधुर स्वर और बेहतरीन अंदाज से श्रोताओं का दिल जीत लिया। जैसे ही उन्होंने लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति शुरू की, पूरा ऑडिटोरियम तालियों और उत्साह से गूंज उठा। दर्शकों ने उनकी गायकी की जमकर सराहना की। कार्यक्रम की शुरुआत भक्ति बावरिया और योगेंद्र प्रधान की भक्ति एवं मधुर गीतों की प्रस्तुति से हुई, जिसने वातावरण को संगीतमय बना दिया। इसके बाद डाली सरीन, नरेंद्र कल्याण, राजेश सरीन, सुनीता गौतम, रवि श्रीवास्तव, एकता सिंह, जस्सी संधु और मानसी ने एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत किए। कलाकारों ने पुराने सदाबहार गीतों से लेकर नए दौर के लोकप्रिय गीतों तक अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। संगीत प्रेमियों ने पूरे कार्यक्रम के दौरान कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कई गीतों पर दर्शक झूमते और गुनगुनाते नजर आए। आयोजन स्थल पर शानदार साउंड और लाइट व्यवस्था ने कार्यक्रम की भव्यता को और बढ़ा दिया। आयोजकों ने बताया कि मैलोडी नाइट का उद्देश्य शहर के कलाकारों को मंच प्रदान करना और संगीत प्रेमियों को एक बेहतरीन सांस्कृतिक शाम उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर सभी कलाकारों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया।

पुरुषोत्तम मास में किया 108 कर्मकांडी विप्रो का सम्मान

मझौली। मुरगवां-कटंगी के संचालक अमित राजपूत ने क्षेत्र के 108 कर्मकांडी ब्राह्मणों का सम्मान किया। जिसमें समस्त ब्राह्मणों का पूजन अर्चन कर सभी को भोजन कराकर द्रव्य दक्षिण प्रदान की।सभी को जनवरी में होने वाली चुनरी यात्रा के लिए आमंत्रित किया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के लगभग समस्त ब्राह्मण उपस्थित हुए।साथ ही सर्व समाज, सनातन तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए संस्कार के लिए ब्राह्मणों की केंद्रीय भूमिका के महत्व को बताते हुए क्षेत्र के सम्मानीय ब्राह्मणों से आह्वान किया।

जैन समाज करेगा मौन विरोध प्रदर्शन

पाटन। रीवा में आचार्य भगवंत श्री विद्यासागर जी महाराज के आज्ञानुवती शिष्या आर्यिका जी के साथ घटित दुर्घटना से उनका देवलोक गमन हों जाने पर और ग्राम देवराम में 11 जैन प्राचीन मूर्तियां की चोरी होने पर जैन समाज में भारी आक्रोश है। इसे लेकर 25 मई को सुबह 8 बजे से कमानिया गेट से सिविक सेंटर जबलपुर में विशाल मौन विरोध प्रदर्शन संस्कार धानी की सभी समाज मिलकर सामूहिक ज्ञापन जिलाधिकारी कों सौंपेंगे। दिगम्बर जैन पंचायत सभा नवयुवक मंडल महिला परिषद् और सभी वर्ग समाज के गणमान्य नागरिक मिलकर विरोध प्रदर्शन किया जायेगा और दोषी व्यक्ति पर सख्त कार्रवाई की मांग करेंगा। साथ ही पद विहार संत महात्माओं की सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए जाने की बात भी रखेंगे ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

पंचवटी रेस्ट हाउस में भवन निर्माण को लेकर ठेकेदार पर सवाल

लोक निर्माण विभाग के ठेकेदार उड़ा रहे आदेशों की धज्जियां!

भेड़ाघाट। पंचवटी रेस्ट हाउस क्रमांक एक में भवन निर्माण को लेकर ठेकेदार पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जे,सी,बी ,मशीन से अवैध खुदाई का कार्य भी किया गया है। ठेकेदार द्वारा ना कोई बोर्ड लगाया गया है ना ही आदेशों की अवहेलना की जा रही हैं। रेस्ट हाउस भवन निर्माण के कार्य में गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जा रहा हैं और ठेकेदार द्वारा 300 मीटर की परिधि में भवन निर्माण को लेकर नियमों को ताक पर रख कर निर्माण कार्य किया जा रहा है। नगर परिषद भेड़ाघाट द्वारा नर्मदा नदी तट से 300 मीटर की परिधि में उच्च न्यायालय के आदेश में पारित आदेश का अनुपालन नहीं किया जा रहा हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा शासन से नर्मदा तट पर भवन निर्माण को लेकर चर्चा सरगर्मी से चल रही हैं संगमरमर की चट्टानों को नुकसान पहुंच सकता है यहां की प्राकृतिक सुंदरता को ठेकेदार और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों द्वारा अनदेखा किया जा रहा है। क्षेत्रीय नागरिकों का आरोप है कि शासकीय विभागों द्वारा नियमों का पालन नहीं किया जाता है और आम नागरिकों को नियमों का हवाला देकर पक्षपात पूर्ण कार्रवाई की जाती है ठेकेदार और लोक निर्माण विभाग पर जिला प्रशासन क्या कार्रवाई करता है यह जन चर्चा का विषय बना हुआ है विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भेड़ाघाट पंचवटी रेस्ट हाउस में निर्माण कार्य की आड़ में प्राकृतिक सुंदरता को नष्ट होने का खतरा मंडरा रहा हैं भेड़ाघाट क्षेत्र में शासन के आदेशों की अवहेलना की जा रही हैं और आम जनता को नियमों का पाठ पढ़ाया जाता हैं और खुद लोक निर्माण विभाग द्वारा नियमों की अनदेखी की जा रही हैं । इसके बाद भी अधिकारियों के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही हैं।

निर्माण कार्य को लेकर विवादो में रहा निर्माण

रेस्ट हाउस एक में निर्माण कार्य को लेकर हमेशा सुर्खियों में बना हुआ हैं घटिया निर्माण कार्य को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं कितनी लागत से भवन निर्माण हो रहा हैं यह पर किसी प्रकार की सूचना या कौन ठेकेदार को काम दिया गया है यह भी लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों द्वारा अनदेखा किया जा रहा हैं।

लोक निर्माण मंत्री पर उठ रहे सवाल

भारतीय जनता पार्टी की सरकार में दामदार लोक निर्माण केबिनेट मंत्री पर भी सवाल उठ रहे हैं कि भेड़ाघाट के विकास को लेकर हमेशा सक्रिय रहते हैं फिर भी भेड़ाघाट को अनाथ की तरह छोड़ दिया है क्या।

- पूरे देश में लागू हो कठौंदा वेस्ट टू एनर्जी प्लांट की तकनीक
- एस.टी.पी. प्लांट, थ्री आर सेन्टर और वेस्ट टू वंडर पार्क का भी निरीक्षण कर मंत्री श्री साहू ने की प्रशंसा

केंद्रीय राज्यमंत्री टोखन साहू ने सराहा जबलपुर का स्वच्छता मॉडल

जबलपुर। नगर निगम द्वारा स्वच्छता और कचरा प्रबंधन के क्षेत्र में किए जा रहे अभिनव प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी सराहना मिली है। अपने जबलपुर प्रवास के दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री टोखन साहू ने शहर के स्वच्छता अभियान के कार्यों का जमीनी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कठौंदा स्थित वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का बारीकी से अवलोकन किया और इसे एक अनुकरणीय मॉडल बताते हुए कहा कि इस तकनीक और कार्यप्रणाली को पूरे देश में लागू करने की आवश्यकता है।

कठौंदा वेस्ट टू एनर्जी प्लांट की बारीकियों को समझा

निरीक्षण के दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री ने प्लांट की कार्यप्रणाली, कचरे से बिजली बनाने की प्रक्रिया और इसके पर्यावरणीय लाभों के बारे में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। नगर निगम के नवाचारों से प्रभावित होकर उन्होंने कहा जबलपुर नगर निगम ने स्वच्छता और कचरा प्रबंधन में जो नए प्रयोग किए हैं, वे वाकई काबिले-तारीफ हैं। कठौंदा का यह प्लांट कचरे के सही निपटान के साथ-साथ ऊर्जा उत्पादन का एक बेहतरीन उदाहरण है। देश के अन्य शहरों को भी इससे सीख लेनी चाहिए।

एसटीपी प्लांट का भी किया मुआयना

कठौंदा प्लांट की सराहना करने के बाद केंद्रीय मंत्री ने शहर के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का भी अवलोकन किया और वहां उन्होंने जल शोधन की व्यवस्थाओं और प्लांट की क्षमता को देखा। पानी को रीसायकल कर उसे पुनः उपयोग में लाने के नगर निगम के प्रयासों की उन्होंने जमकर सराहना की एवं परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, एमआईसी सदस्यश्रीमती रजनी कैलाश साहू, निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव इसके साथ ही नगर निगम के अपर आयुक्त देवेन्द्र सिंह चौहान, उपायुक्त संभव अयाची, स्वास्थ्य अधिकारी अंकिता बर्मन, सहायक यंत्री राजेश खम्परिया, संजय सिंह, अभिनव मिश्रा, अंकुर नाग आदि उपस्थित रहे।

निजी क्यूआर कोड से वसूली का आरोप, परीक्षा फॉर्म अटके तो छात्रों ने किया प्रबंधन का घेराव

श्रीराम कॉलेज में फीस घोटाले का विस्फोट

हरिभूमि, जबलपुर।

शहर के श्रीराम कॉलेज में सामने आए कथित फीस घोटाले ने सैकड़ों छात्रों के भविष्य को संकट में डाल दिया है। कॉलेज के छात्रों ने मंगलवार को कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ जमकर प्रदर्शन करते हुए गंभीर आरोप लगाए कि कॉलेज के अकाउंटेंट ने फीस और परीक्षा फॉर्म शुल्क जमा कराने के नाम पर छात्रों से निजी QR कोड के माध्यम से पैसे वसूले और बाद में रकम कॉलेज खाते में जमा ही नहीं हुई। मामला सामने आने के बाद कॉलेज परिसर में हंगामे की स्थिति बन गई।

फीस जमा, फिर भी परीक्षा फॉर्म नहीं हुए फॉरवर्ड

छात्रों के मुताबिक उन्होंने समय पर कॉलेज फीस और परीक्षा शुल्क ऑनलाइन जमा किया था। भुगतान प्रक्रिया के दौरान अकाउंटेंट द्वारा छात्रों को निजी क्यूआर कोड उपलब्ध कराया गया, जिस पर भरोसा कर छात्रों ने हजारों रुपए ट्रांसफर कर दिए। बाद में जब विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रक्रिया शुरू हुई तो कई छात्रों को पता चला कि उनके परीक्षा फॉर्म विश्वविद्यालय को फॉरवर्ड ही नहीं किए गए हैं। छात्रों ने भुगतान के स्क्रीनशॉट, ट्रांजैक्शन रिकॉर्ड और मोबाइल मैसेज दिखाते हुए दावा किया कि फीस कॉलेज के अधिकृत खाते में नहीं बल्कि निजी खाते में जमा हुई है। इससे छात्रों में भारी आक्रोश फैल गया।

कॉलेज परिसर में दिनभर हंगामा

मामले की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में छात्र कॉलेज पहुंचे और प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए घेराव कर दिया। छात्रों ने आरोप लगाया कि कॉलेज प्रशासन अब पूरे मामले से पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहा है, जबकि फीस वसूली कॉलेज परिसर में कॉलेज के नाम पर ही की गई थी। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने कहा कि यदि समय रहते परीक्षा फॉर्म फॉरवर्ड नहीं हुए तो उनका पूरा शैक्षणिक वर्ष बर्बाद हो सकता है। कई छात्र भावुक भी नजर आए और उन्होंने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।

अकाउंटेंट पर पैसे लेकर फरार होने का आरोप

छात्रों का आरोप है कि फीस प्रक्रिया संभालने वाला अकाउंटेंट रकम लेने के बाद फरार हो गया है। लंबे समय से वही ऑनलाइन भुगतान की प्रक्रिया देख रहा था, इसलिए छात्रों को किसी प्रकार का संदेह नहीं हुआ। अब उसके संपर्क से बाहर होने के बाद मामला और गंभीर हो गया है।

पुलिस जांच शुरू, छात्रों ने मांगी एफआईआर

परेशान छात्र शिकायत लेकर माढ़ोताल थाने पहुंचे और पूरे मामले की लिखित शिकायत दी। छात्रों ने दोषियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। माढ़ोताल टीआई वीरेंद्र पवार ने बताया कि शिकायत प्राप्त हुई है और दस्तावेजों की जांच की जा रही है। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

एमपीएसयू के अध्यक्ष अभिषेक पांडे ने कहा कि छात्रों के भविष्य के साथ बड़ा खिलवाड़ हुआ है। यदि जल्द समाधान नहीं निकला और परीक्षा फॉर्म फॉरवर्ड नहीं किए गए तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। फिलहाल छात्र कॉलेज प्रशासन और पुलिस की कार्रवाई पर नजर बनाए हुए हैं।

नरवाई से लगी आग पहुंची रिंग रोड तक

बरेला। रिंग रोड फेस 5 के तहत ग्राम सरोरा के समीप रिंग रोड बनाने वाली कंपनी का वी आर एस का बेस कैंप है। जहां पर ग्राम सरोरा के आसपास किसानों द्वारा नरवाई में आग लगाने के कारण यह आग जलते हुए बेस कैंप के समीप रिंग रोड के कटे हुए पेड़ों के स्टाक तक जा पहुंची है।इस आग ने भयानक रूप ले लिया है तथा यह आग बेस कैंप तक के नजदीक पहुंच गई है।बताया जाता है कि इस आग को बुझाने के लिए नगर परिषद बरेला की फायर ब्रिगेड पहुंच गई है किंतु इसके बावजूद भी आग।पर काबू नहीं पाया जा रहा है। कंपनी द्वारा नगर निगम में भी फोन करके फायर बिग्रेड को बुलाया गया है किंतु इसके बावजूद भी अभी भी फायर ब्रिगेड नहीं पहुंची है जिसकी वजह से आज पर काबू नहीं पाया जा सका है। फिलहाल अग्नि स्थल पर नगर परिषद का अमला आग बुझाने में लगा हुआ है। इस आग की वजह से कंपनी के बेस कैंप में रहने वाले कर्मचारियों में वह का माहौल बना हुआ है।

खबर संक्षेप

हिंडाल्को का लाभ 51 फीसदी घटकर 2,597 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। आदित्य बिरला समूह की प्रमुख धातु कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 50.8 प्रतिशत घटकर 2,597 करोड़ रुपये रहा। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज की अमेरिकी अनुषंगी कंपनी नोवेलिस के संयंत्र में आग लगने की घटनाओं के कारण कंपनी के मुनाफे पर यह असर पड़ा है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 5,284 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था।

रिलायंस इन्फ्रा का मुनाफा घटकर 918 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर का एकीकृत शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च की चौथी तिमाही में घटकर 918.07 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने इसके पीछे बढ़ते खर्चों को प्रमुख कारण बताया है। कंपनी ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 4,387.08 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। मार्च तिमाही में कंपनी की कुल आय भी घटकर 4,154.34 करोड़ रुपये रह गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 4,268.05 करोड़ रुपये थी।

कोटेक हेल्थकेयर, दीपा ज्वैलर्स को मिली आईपीओ की मंजूरी

नई दिल्ली। दवा क्षेत्र की कंपनी कोटेक हेल्थकेयर और आभूषण क्षेत्र की कंपनी दीपा ज्वेलर्स को बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की मंजूरी मिल गई है। कोटेक हेल्थकेयर ने सितंबर 2025 में और दीपा ज्वेलर्स ने दिसंबर 2025 में अपने मसौदा दस्तावेज (डीआरएचपी) दाखिल किए थे। दोनों कंपनियों को 18 मई 2026 को सेबी की टिप्पणिया प्राप्त हुई, जिसे आईपीओ लाने की मंजूरी माना जाता है।

आयशर मोटर्स का लाभ 12% बढ़कर 1,520 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। आयशर मोटर्स का एकीकृत मुनाफा वित्त वर्ष 2025-26 की मार्च तिमाही में 11.58 प्रतिशत बढ़कर 1,519.95 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 1,362.15 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि आलोच्य तिमाही में परिचालन राजस्व 6,080.09 करोड़ रुपये रहा, जबकि एक साल पहले यह 5,241.11 करोड़ रुपये था। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में, आयशर मोटर्स का शुद्ध 16.5 प्रतिशत बढ़कर 5,515.23 करोड़ रुपये हो गया।

बीते सप्ताह सभी तेल की कीमतों में सुधार

नई दिल्ली। रुपये के मूल्य में गिरावट रहने के बीच देश में मांग बढ़ने के कारण बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहनों के दाम मजबूत रहे। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि विदेशों में खाद्य तेलों के दाम में सीमित घट-बढ़ के बीच डॉलर के मुकाबले रुपये के निचले स्तर के करीब मंडराने से खाद्य तेलों का आयात महंगा बैठ रहा है। इसके अलावा आयातक जो पहले लागत से काफी नीचे दाम पर अपना माल बेच रहे थे, वह घाटा पहले के मुकाबले अब कम हो गया है।

सीमेंट कंपनियों को चालू वित्त वर्ष में आठ प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश की प्रमुख सीमेंट कंपनियों को वित्त वर्ष 2026-27 में उद्योग में सात-आठ प्रतिशत की मजबूत वृद्धि की उम्मीद है। कंपनियों का मानना है कि सरकार के बुनियादी ढांचा खर्च, आवास क्षेत्र की बढ़ती मांग और तेजी से हो रहे शहरीकरण से उद्योग को बड़ा समर्थन मिलेगा। हालांकि, इसके साथ ही उद्योग ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण बढ़ती ईंधन लागत निकट अवधि में चुनौती बनी हुई है। अल्ट्राटेक सीमेंट, अंबुजा सीमेंट, श्री सीमेंट, डालमिया सीमेंट और नुवोको विस्टास जैसी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने हालिया तिमाही नतीजों की घोषणा के दौरान मध्यम अवधि को लेकर सकारात्मक रुख जताया है। सीमेंट कंपनियों के कुल परिचालन खर्च का लगभग 50-55 प्रतिशत हिस्सा बिजली, ईंधन और बिक्री लागत पर खर्च होता है। हालांकि, डागा ने भरोसा जताया कि भारत की दीर्घकालिक वृद्धि की कहानी मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार का निवेश, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का तेजी से क्रियान्वयन, किफायती आवास योजनाएं और ग्रामीण मांग उद्योग को मजबूती देंगे। डागा ने कहा, हम दो अंक की वृद्धि का लक्ष्य रख रहे हैं। साथ ही उन्होंने आने वाले वर्षों में सीमेंट मांग में सालाना 7-8 प्रतिशत की स्थायी वृद्धि का अनुमान जताया।

सरकार के बुनियादी ढांचा खर्च व बढ़ती आवास मांग से मिलेगा समर्थन

पूंजीगत खर्च बढ़ा है

कंपनियां प्रीमियम सीमेंट उत्पादों और बेहतर बिक्री मूल्य के जरिये बढ़ती लागत के दबाव को संतुलित करने की रणनीति पर काम कर रही हैं। इसके साथ ही सीमेंट कंपनियां चालू वित्त वर्ष में पूंजीगत खर्च भी बढ़ा रही हैं। उनका मानना है कि सरकार की अवसंरचना परियोजनाओं और आवासीय मांग में तेजी से उद्योग को दीर्घकालिक लाभ मिलेगा।

आपूर्ति श्रृंखला पर पड़ा दबाव

अल्ट्राटेक सीमेंट के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) अतुल डागा ने कहा कि पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के कारण ईंधन, ढुलाई और आयात आधारित आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से पेट्रोल और डीजल भी महंगे हो सकते हैं, जिससे लागत और बढ़ेगी।

भारत में एफटीए की उपयोग दर अभी 25 प्रतिशत के आसपास

एफटीए के इस्तेमाल में विकसित देशों से काफी पीछे है भारत, कार्यान्वयन सुधारने की जरूरत : विशेषज्ञ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के मोर्चे पर भारत की अगली प्राथमिकता इनके व्यावहारिक कार्यान्वयन और निर्यातकों को इन करारों के इस्तेमाल में मदद की होनी चाहिए। विशेषज्ञों ने यह राय जताई है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कई बड़े एफटीए किए हैं, लेकिन अब असली चुनौती इन समझौतों का सही उपयोग सुनिश्चित करना है। विशेषज्ञों का कहना है कि अब सरकार और उद्योग जगत का ध्यान 'एफटीए पर हस्ताक्षर' से 'एफटीए के कार्यान्वयन' पर होना चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में एफटीए की उपयोग दर अभी लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है, जबकि विकसित देशों में यह 70-80 प्रतिशत तक है।

■ विकसित देशों में उपयोग 70-80 प्रतिशत तक है

पर्यावरण से जुड़े नियम और सख्त हो सकते हैं : पांडेय ने कहा कि इसके अलावा भारत को अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों, कार्बन अकाउंटिंग और हरित नियमों के अनुरूप अपनी घरेलू प्रमाणन प्रणाली को मजबूत करना होगा। खासकर यूरोपीय बाजारों में भविष्य में पर्यावरण से जुड़े नियम अधिक सख्त हो सकते हैं।

भारतीय निर्यातकों को फायदा नहीं मिल रहा

यानी भारत ने जिन देशों के साथ कम शुल्क या शुल्क-मुक्त पहुंच हासिल की है, उसका पूरा फायदा भारतीय निर्यातक अभी नहीं उठा पा रहे हैं। डेलॉयट इंडिया के भागीदार गुलजार दिदवानिया ने कहा कि भारत को अब यह सुनिश्चित करना चाहिए कि एफटीए के तहत मिले लाभ वास्तव में सीमा शुल्क स्तर पर इस्तेमाल हों और निर्यात बढ़ाने में मदद करें।

प्राथमिकता कार्यान्वित करने पर होनी चाहिए

दिदवानिया ने कहा कि भारत ने सिंगापुर, जापान, दक्षिण कोरिया, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया, आसियान और ईएफटीए जैसे बाजारों के साथ एफटीए किए हैं। इसके अलावा ओमान, न्यूजीलैंड, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के साथ भी ऐसे करार किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता अब इन एफटीए से मिलने वाले लाभ को वास्तविक रूप से कार्यान्वित करने पर होनी चाहिए।

घरेलू विनिर्माण प्रतिस्पर्धा बढ़ानी होगी

दिदवानिया ने यह भी कहा कि वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति संकट के दौर में एफटीए भारत के लिए नए व्यापारिक रास्ते खोल सकते हैं। इसके लिए भारत को निर्यात बाजारों और उत्पादों में विविधता लानी होगी तथा घरेलू विनिर्माण प्रतिस्पर्धा बढ़ानी होगी।

एमएसएमई कंपनियों में जागरूकता कम

शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी के भागीदार रुद्र कुमार पांडेय ने कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मझोला उद्यम (एमएसएमई) कंपनियों में अभी एफटीए को लेकर जागरूकता कम है और कई समझौतों के लिए जरूरी प्रमाणन ढांचा भी कमजोर है। उन्होंने कहा कि हर संभावित निर्यातक को यह समझना चाहिए कि उसे किस बाजार में किस तरह की रियायत मिल सकती है और उसका लाभ लेने के लिए कौन-कौन से दस्तावेज जरूरी हैं।

अभी प्राथमिकता एफटीए इस्तेमाल की होनी चाहिए

पांडेय ने कहा, ''अभी हमारी प्राथमिकता एफटीए के इस्तेमाल की होनी चाहिए।'' विशेषज्ञों का कहना है कि कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग सामान, फार्मास्युटिकल्स और समुद्री उत्पाद जैसे क्षेत्रों को उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता सुधारने के लिए उत्पादन से जुड़ी (पीएलआई) जैसी योजनाओं का अतिरिक्त समर्थन मिलना चाहिए।

एशिया प्रशांत क्षेत्र में डिलिवरी लागत 19 प्रतिशत बढ़ी : रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत समेत एशिया प्रशांत क्षेत्र में मार्च से मई की अवधि के बीच डिलिवरी लागत में सालाना आधार पर लगभग 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 'लॉजिस्टिक्स सॉफ्टवेयर' सेवा क्षेत्र की कंपनी 'फारआई' ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। यह सर्वेक्षण पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद किया गया।इस संघर्ष के कारण ईंधन की आपूर्ति तथा लागत पर दबाव है।

■ सेवा क्षेत्र की कंपनी फारआई ने संघर्ष शुरू होने के बाद किया सर्वे

हाल ही में जारी रिपोर्ट में कहा गया, ''शोध से पता चलता है कि एशिया प्रशांत क्षेत्र (एपीएसी) में डिलिवरी लागत में सालाना आधार पर औसतन 18.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारत में ईंधन की कीमतें, वाहन चालकों का वेतन और शहरी भीड़भाड़ संरचनात्मक लागत बढ़ाने वाले कारक हैं, जिसके कारण यह आंकड़ा यहां के लिए चौंकाने वाला नहीं है।''

शहरी इलाकों में डिलिवरी दर बढ़ सकती है

भारत में घनी आबादी वाले शहरी इलाकों में पहली बार में सफल रूप से डिलिवरी नहीं होने की दर 20-30 प्रतिशत तक हो सकती है, जो लाभ में कमी का एक प्रमुख कारण है। भारत के त्वरित वाणिज्य क्षेत्र की बात करें तो, 10 मिनट और 20 मिनट में डिलिवरी कार्यों ने अरबों का निवेश आकर्षित किया है तथा तीन वर्षों से 'लॉजिस्टिक्स' के क्षेत्र में सुर्खियां बटोरी हैं।

अनुपम रसायन ब्लिस जीवीएस फार्मा में 43 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विशिष्ट रसायन बनाने वाली कंपनी अनुपम रसायन इंडिया ने दवा विनिर्माण कंपनी ब्लिस जीवीएस फार्मा लिमिटेड में 43.3 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए 1,369.51 करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। एक बयान में जानकारी दी गई।

■ कंपनी ने 1,369 करोड़ रुपए के समझौते पर किए हस्ताक्षर

बयान के अनुसार, कंपनी ने इसके साथ अतिरिक्त 26 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए खुला प्रस्ताव भी लाने की घोषणा की है। अनुपम रसायन ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि कंपनी ने 299 रुपये प्रति शेयर की दर से 1,369.51 करोड़ रुपये में 43.3 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की योजना बनाई है। इसके साथ ही

उसने समान कीमत पर सार्वजनिक शेयरधारकों से 26 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदने के लिए अनिवार्य खुली पेशकश भी की है। कंपनी के प्रबंध निदेशक आनंद देसाई ने कहा, ''हमने ब्लिस जीवीएस फार्मा में 43.3 से 48.2 प्रतिशत तक इक्विटी हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए एक पक्का समझौता किया है और सार्वजनिक शेयरधारकों के लिए खुला प्रस्ताव भी ला रहे हैं।''

300 करोड़ का सावधि ऋण लिया जाएगा

देसाई ने कहा कि इस अधिग्रहण के लिए 300 करोड़ रुपये का सावधि ऋण लिया जाएगा, जबकि शेष राशि गैर-नियंत्रक और गैर-मताधिकार वाली इक्विटी साधनों के माध्यम से जुटाई जाएगी। देसाई ने कहा, "इससे हम दवा मूल्य श्रृंखला में अपनी स्थिति को रणनीतिक रूप से मजबूत कर सकेंगे, जिसमें प्रमुख प्रारंभिक सामग्री से लेकर तैयार दवा निर्माण तक शामिल हैं।"

कोलगेट-पामोलिव का लाभ मामूली घटकर 353 करोड़

नई दिल्ली। टूथपेस्ट समेत दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कोलगेट-पामोलिव इंडिया लि. का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में मामूली घटकर 353.32 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले साल 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 355 करोड़ रुपये था।

कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की मार्च तिमाही में इसकी बिक्री नौ प्रतिशत बढ़कर 1,582.77 करोड़ रुपये हो गई। पिछले साल इसी तिमाही में यह 1,452.02 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, कंपनी का शुद्ध मुनाफा 7.7 प्रतिशत घटकर 1,325.31 करोड़ रुपये रहा। कुल एकीकृत आय मामूली घटकर 6,124.16 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले 6,170.91 करोड़ रुपये थी।

मार्च में विदेश यात्रा पर भारतीयों का खर्च घटा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारतीयों का विदेश यात्रा पर खर्च मार्च में घटकर 1.09 अरब डॉलर रह गया, जो फरवरी में 1.30 अरब डॉलर था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है। जनवरी में विदेश यात्रा पर खर्च 1.65 अरब डॉलर रहा था। 'उदारीकृत धन प्रेषण योजना' (एलआरएस) के तहत आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, भारतीयों द्वारा विभिन्न श्रेणियों में विदेश में भेजा गया कुल धन (रेमिटेंस) मार्च में 2.59 अरब डॉलर रहा, जिसमें सबसे बड़ा हिस्सा यात्रा व्यय का रहा। एलआरएस के तहत निवासी व्यक्ति एक वित्त वर्ष में

■ आरबीआई के अनुसार खर्च घटकर 1.09 अरब डॉलर रहा

2.50 लाख डॉलर तक का प्रेषण किसी भी वैध चालू या पूंजी खाते के लेनदेन के लिए कर सकते हैं। आंकड़ों के अनुसार, 'अन्य यात्रा' श्रेणी में, जिसमें अवकाश यात्राएं और अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट कार्ड खर्च शामिल हैं, मार्च में 62.30 करोड़ डॉलर खर्च किए गए, जो कुल यात्रा व्यय का लगभग 57 प्रतिशत है। शिक्षा संबंधी यात्रा पर 45.01 करोड़ डॉलर खर्च हुए, जिसमें ट्यूशन फीस और हॉस्टल खर्च शामिल हैं। जबकि व्यापार यात्रा, तीर्थयात्रा और चिकित्सा उपचार पर 2.13 करोड़ डॉलर खर्च हुए। विदेश में रहने वाले परिजनों को भेजे गए धन का प्रेषण मार्च में 38.97 करोड़ डॉलर रहा, जो फरवरी के 26.61 करोड़ डॉलर से अधिक है।

विदेश में अध्ययन श्रेणी में खर्च कम

'विदेश में अध्ययन' श्रेणी में खर्च मार्च में घटकर 15.17 करोड़ डॉलर रहा। यह फरवरी के 17.56 करोड़ डॉलर और जनवरी में 26.74 करोड़ डॉलर था। विदेश में अचल संपत्ति की खरीद पर खर्च मार्च में घटकर 3.86 करोड़ डॉलर रह गया, जबकि फरवरी में यह 5.13 करोड़ डॉलर था।

बाजार पूंजीकरण में शीर्ष पर रही रिलायंस इंडस्ट्रीज

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 74,111.57 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान सबसे ज्यादा लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो

और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार मूल्यांकन में वृद्धि हुई। वहीं एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत घट गई। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 24,696.89 करोड़ रुपये बढ़कर 18,33,117.70 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

कच्चे तेल के दाम तय करेंगे घरेलू शेयर बाजार की चाल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच पश्चिम एशिया संकट को लेकर चल रही वार्ताओं से जुड़े घटनाक्रम, कच्चे तेल की कीमतें और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां अगले सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार की दिशा तय करेंगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का मानना है कि छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों वाला यह सप्ताह उतार-चढ़ाव भरा रह सकता है। 'बकरीद' के अवसर पर बृहस्पतिवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे। इसके अलावा निवेशकों की नजर रुपये-डॉलर की चाल और वैश्विक बाजारों के रुख पर भी रहेगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शोध अजित मिश्रा ने कहा, ''इस सप्ताह बाजार वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम और मुद्रा बाजार की गतिविधियों के प्रति काफी संवेदनशील रहेगा। निवेशक कच्चे तेल की कीमतों, अमेरिका-ईरान वार्ता, अमेरिकी डॉलर और बॉन्ड प्रतिफल पर करीबी नजर रखेंगे, क्योंकि इनका असर विदेशी निवेश प्रवाह और निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता पर पड़ेगा।''अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में कुछ प्रगति हुई है। इससे संकेत मिले हैं कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के समाधान की दिशा में चीजें आगे बढ़ रही हैं।

■ अमेरिका-ईरान वार्ता से जुड़े घटनाक्रम भी बाजार को करेंगे प्रभावित

तनाव कम होने की उम्मीद से धारणा में सुधार

ऑनलाइन ट्रेडिंग और संपदा कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा कि आने वाले सप्ताह में बाजार की दिशा मुख्य रूप से अमेरिका-ईरान स्थिति, कूटनीतिक वार्ताओं और कच्चे तेल की कीमतों से जुड़ी खबरों पर निर्भर करेगी। हालांकि, तनाव कम होने की उम्मीद से निवेशकों की धारणा में कुछ सुधार हुआ है, लेकिन वार्ता के अंतिम परिणाम को लेकर अनिश्चितता अब भी बनी हुई है।

अदाणी समूह पर संकट के बादल छंटे, जांच का जोखिम अब काफी हद तक पीछे छूटा

अदाणी को विदेशी निवेश मिलने की उम्मीद बढ़ी: रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वैश्विक ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन ने कहा है कि अदाणी समूह से जुड़े बड़े विवाद और अमेरिकी नियामकीय जांच का जोखिम अब काफी हद तक पीछे छूट चुका हैं। इससे समूह में विदेशी निवेश और निवेशकों की भागीदारी बढ़ने की संभावना है।

ब्रोकरेज कंपनी ने अपनी रिपोर्ट में समूह की चार प्रमुख सूचीबद्ध कंपनियों — अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशन इकॉनमिक जोन, अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी पावर और अंबुजा सीमेंट का विश्लेषण किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2023 में सामने आए शॉर्ट-सेलर विवाद और बाद में अमेरिका में शुरू हुई जांच के कारण कई विदेशी निवेशकों और वैश्विक कोषों ने अदाणी समूह से दूरी बना ली थी।

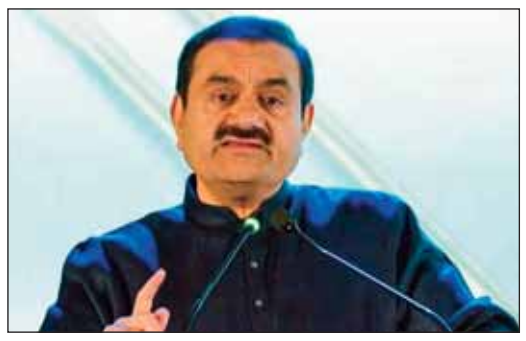

कंटेनर पोर्ट बाजार में समूह की हिस्सेदारी 50 फीसदी पहुंची

बर्नस्टीन के अनुसार, बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने की क्षमता अदाणी समूह की सबसे बड़ी ताकत बनी हुई है। बंदरगाह, लॉजिस्टिक्स, ताप विद्युत और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में समूह लगातार अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश के कंटेनर पोर्ट बाजार में अदाणी समूह की हिस्सेदारी अब लगभग 50 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है।

निवेशकों का भरोसा लौटता दिखाई दे रहा

हालांकि, अब अमेरिकी मामलों में राहत मिलने के बाद निवेशकों का भरोसा लौटता दिखाई दे रहा है। बर्नस्टीन ने कहा कि अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) से जुड़े मामले के समाधान और अमेरिकी अभियोजकों द्वारा समूह के खिलाफ आरोप हटाने की प्रक्रिया ने समूह के शेयरों पर बना बड़ा दबाव कम कर दिया है।

शेयर अभी भी संकट से पहले के स्तर पर नहीं पहुंचा

इसके बावजूद कई शेयर अभी भी संकट से पहले के स्तर तक नहीं पहुंच पाए हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि पिछले चार वर्षों में समूह ने दो बड़े झटके झेले। पहला जनवरी, 2023 में अमेरिकी शॉर्ट-सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट और दूसरा नवंबर, 2024 से शुरू हुए अमेरिकी एसईसी तथा न्याय विभाग की जांच से जुड़ा घटनाक्रम।

समूह पर शेयरों में हेरफेर व अनियमितता के आरोप लगे थे

हिंडनबर्ग रिसर्च ने अदाणी समूह पर शेयरों में हेरफेर, कर पनाहगाह के दुरुपयोग और लेखांकन में अनियमितताओं जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। इन आरोपों के बाद समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई और बाजार पूंजीकरण में अरबों डॉलर की कमी दर्ज की गई थी। हालांकि, अदाणी समूह ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उन्हें दुर्भावनापूर्ण बताया था।

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में कम समय के अंतराल पर बार-बार अग्रिम ज़मानत याचिकाएं दायर करने की प्रथा पर नाराज़गी ज़ाहिर की। कोर्ट ने कहा कि अग्रिम ज़मानत का उपाय, जिसका मकसद किसी आरोपी की निजी आज़ादी को पहले से ही सुरक्षित रखना है, उसे महज़ एक जुआ बनाकर नहीं रखा जा सकता।

महिला अपने बेटे-बहू के खिलाफ धोखाधड़ी में अग्रिम जमानत मिलने पर पहुंची सुप्रीम कोर्ट

बार-बार अग्रिम जमानत याचिकाएं दायर करना प्रक्रिया का दुरुपयोग इससे मुकदमेबाजी महज जुआ बनकर रह जाती है : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच द्वारा पारित आदेश रद्द किया। इस आदेश में प्रतिवादी-आरोपी को उसकी लगातार तीसरी याचिका पर अग्रिम ज़मानत दी गई थी। कोर्ट ने पाया कि पिछली दो अग्रिम ज़मानत याचिकाएं दो महीने के भीतर ही खारिज हो गई थीं, जिसके तुरंत बाद तीसरी याचिका दायर की गई थी। इस तरह से लगातार एक के बाद एक अग्रिम ज़मानत याचिकाएं दायर करना यानी तीन महीनों में तीन याचिकाएं उस कानूनी प्रक्रिया को, जिसका मकसद योग्य मामलों में किसी व्यक्ति की निजी आज़ादी को पहले से ही सुरक्षित रखना है, महज़ एक जुआ बनाकर रख देता है। यह प्रक्रिया के दुरुपयोग से कम कुछ भी नहीं है।

मामले की पृष्ठभूमि

यह मामला एक 75 वर्षीय माँ (शिकायतकर्ता-अपीलकर्ता) द्वारा अपने बेटे और बहू पर लगाए गए आरोपों से जुड़ा है। माँ ने उन पर धोखाधड़ी करने और पारिवारिक संपत्ति की बिक्री से मिली रकम का गबन करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि एक 'समझौता विलेख' के ज़रिए पारिवारिक संपत्तियां अपने नाम करवाने के बाद आरोपियों ने उन्हें विकास कार्यों के नाम पर 11 एकड़ से ज़्यादा ज़मीन बेचने के लिए उकसाया और ज़मीन की बिक्री से मिली रकम के बारे में उन्हें गलत जानकारी दी।

बाद में बूढ़ी मां को छोड़ दिया बेसहारा

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि आरोपियों ने उन्हें बुढ़ापे में सहारा देने का वादा करके उनका घर भी बेटे के नाम करवा लिया था, लेकिन बाद में उन्हें बेसहारा छोड़ दिया और घर से बाहर निकाल दिया। उनकी शिकायत के आधार पर धारा 406 और 420, और माता-पिता और सीनियर सिटीजन्स का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007 की धारा 24 के तहत एक एफआईआर दर्ज की गई।

आरोपियों ने शुरू में सेशंस कोर्ट में अग्रिम ज़मानत मांगी, जिसने जुलाई 2025 में उनकी अर्ज़ी खारिज की। मद्रास हाईकोर्ट में उनकी बाद की अग्रिम ज़मानत याचिकाएं भी अगस्त 2025 में खारिज कर दी गईं। हालांकि, एक महीने के भीतर ही आरोपियों ने हाईकोर्ट की दूसरी बेंच के सामने एक नई अग्रिम ज़मानत याचिका दायर की। पहले ज़मानत खारिज होने के आदेश के बावजूद, हाईकोर्ट ने सितंबर 2025 में उन्हें अग्रिम ज़मानत दी और इस मामले को रियल एस्टेट सौदे से जुड़ा विवाद मान लिया। इस आदेश में न तो पहले ज़मानत खारिज होने के बारे में कोई चर्चा की गई और न ही यह जांचा गया कि क्या परिस्थितियों में कोई ऐसा बदलाव आया था, जिसके आधार पर उन्हें राहत दी जा सके। अग्रिम ज़मानत मिलने के बाद आरोपियों ने एफआईआर रद्द करवाने के लिए भी एक याचिका दायर की। साथ ही आगे की कानूनी कार्यवाही पर अंतरिम रोक भी हासिल कर ली। अग्रिम ज़मानत दिए जाने के इस फैसले को चुनौती देते हुए, शिकायतकर्ता/अपीलकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया।

तीसरी बार अलग बेंच से जमानत प्राप्त कर लीं

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया अपना फैसला

अपील को मंज़ूर करते हुए कोर्ट ने हाईकोर्ट के उस फैसले को गलत ठहराया, जिसमें उसने तीसरी अग्रिम ज़मानत याचिका को बिना सोचे-समझे सिर्फ़ इसलिए मंज़ूर कर लिया था, क्योंकि उसने इस विवाद को दीवानी प्रकृति का मान लिया था; जबकि पहली नज़र में यह ज़मीन के धोखाधड़ी भरे हस्तांतरण का मामला लग रहा था। कोर्ट ने यह भी कहा कि हाईकोर्ट ने इस बात का ज़िक्र नहीं किया कि पहले ज़मानत याचिकाएं खारिज हो चुकी थीं, और न ही उसने यह देखा कि क्या परिस्थितियों में कोई ऐसा बड़ा बदलाव आया था, जिसके आधार पर वह आरोपियों के पक्ष में अपने विवेकाधिकार का इस्तेमाल कर सके। माननीय जज ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि हाईकोर्ट की ही एक दूसरी बेंच ने 04.08.2025 को आरोपियों की ज़मानत याचिका खारिज की थी।

हाईकोर्ट ने जमानत देकर गलती की

कोर्ट ने यह भी कहा कि हाईकोर्ट ने आरोपियों को अग्रिम ज़मानत देकर गलती की। उसने इस विवाद को गलत तरीके से दीवानी मामला मान लिया, जबकि पहली नज़र में यह 'आपराधिक विश्वास भंग' और 'धोखाधड़ी' जैसे अपराधों के सभी ज़रूरी तत्वों को पूरा करता हुआ प्रतीत हो रहा था।

खबर संक्षेप

असम में दो करोड़ से अधिक की कोडीन सिरप जब्त

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि दो

अलग-अलग अभियानों में प्रतिबंधित कोडीन युक्त कफ सिरप की दो करोड़ रुपये से अधिक बोतल जब्त की गईं और इस सिलसिले में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। शनिवार को कछार और कोकराझार जिलों में इस सिलसिले में अभियान चलाये गए। पुलिस ने कहा, ''विश्वसनीय सूचनाओं के आधार पर, कछार पुलिस ने एक ट्रक को रोका और उसमें से 2.1 करोड़ रुपये मूल्य का प्रतिबंधित कोडीन फॉस्फेट सिरप बरामद किया।

संपत्ति विवाद पर परिवार के तीन लोगों की हत्या

अंबाला। हरियाणा के अंबाला जिले के बिछपाड़ी गांव में पैतृक संपत्ति और रुपयों को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति ने अपने ही परिवार के तीन सदस्यों की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि परिवार में कहासुनी होने पर आरोपी अभिषेक (22) ने सबसे पहले अपनी 95 वर्षीय दादी इसरो देवी को निशाना बनाया। जब उसके बड़े भाई संदीप कुमार और चाचा महिंदर ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो उसने उन पर भी गोली चला दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की दादी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके चाचा और बड़े भाई ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

फरीदाबाद में बांग्लादेशी छात्र ने आत्महत्या की

फरीदाबाद। बांग्लादेश के एक छात्र ने फरीदाबाद में सूरजकुंड-

फरीदाबाद रोड स्थित एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रावास में पंखे से फंदा लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच किसी प्रेम संबंध की ओर इशारा कर रही है। हालांकि मामले की जांच अभी जारी है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान मुश्ताक के रूप में हुई है, जो बांग्लादेश का नागरिक था। वह कॉलेज में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था और छात्रावास की दूसरी मंजिल पर एक अन्य छात्र के साथ रहता था।

बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा में चमन फाटक रेलवे स्टेशन के पास हुई वारदात

पाक में सैनिकों को ले जा रही ट्रेन पर फिदायीन हमला, 20 की मौत, 100 से ज्यादा लोग घायल

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को एक भीषण बम धमाके ने हड़कंप मचा दिया। क्वेटा में चमन फाटक रेलवे स्टेशन के पास सैन्य कर्मियों को ले जा रही ट्रेन को निशाना बनाकर किए गए इस शक्तिशाली विस्फोट में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक लोग घायल हो गए।

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

रिपोर्ट के अनुसार, क्वेटा में चमन फाटक के पास से जब एक ट्रेन गुजर रही थी, तभी विस्फोटकों से लदी कार ने ट्रेन के एक डिब्बे को टक्कर मार दी। जिसके परिणामस्वरूप एक जोरदार धमाका हुआ। पीड़ितों में सेना के कई जवान भी शामिल थे। पाकिस्तानी अखबार डॉन के अनुसार, पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह धमाका रेलवे ट्रैक के पास हुआ, जिससे ट्रेन को आंशिक रूप से नुकसान पहुंचा है। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इसके प्रभाव से आसपास खड़ी कम से कम 10 गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। घायलों की संख्या को देखते हुए हताहतों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है।

सैनिकों को ले जाने की आतंकी को थी जानकारी

रिपोर्ट के मुताबिक, जिस ट्रेन को निशाना बनाया गया, वो क्वेटा कैंट स्टेशन से निकली थी और उसमें पाकिस्तानी सेना के जवान सवार थे। मृतकों में जवानों के भी शामिल होने की भी खबर है। ये घटना क्वेटा के चमन फाटक के पास हुई। घटना के बाद सामने आए कथित वीडियो में ट्रेन का भारी नुकसान हुआ दिख रहा है। साथ ही घटनास्थल से धुंआ भी उठता दिखाई दे रहा है। अधिकारियों ने बताया कि क्वेटा कैंट से आने वाली शटल ट्रेन को चमन फाटक के पास निशाना बनाया गया। धमाका इतना तेज था कि इंजन समेत ट्रेन के 3 डिब्बे पटरी से उतर गए और 2 डिब्बे पलट गए। पास की पार्किंग में खड़ी दर्जनों गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचा है।

रेल मंत्री ने हमले की निंदा की

बलूचिस्तान सरकार के अधिकारी बाबर यूसुफजई ने बताया कि पुलिस, सुरक्षा बल और बचाव कर्मी तुरंत मौके पर पहुंच गए हैं। रेल मंत्री मोहम्मद हनीफ अब्बासी ने इस हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने इसे कायराना आतंकी हमला बताते हुए कहा, ऐसे हमले आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान के हौसले को कमजोर नहीं कर सकते। फंसे यात्रियों को निकालने के लिए रेस्क्यू ट्रक और राहत ट्रेन भी मौके पर भेजी गई है। रेल मंत्री ने घटना की रिपोर्ट मांगी है।

बीएलए ने ली हमले की जिम्मेदारी- रिपोर्ट

कुछ अपुष्ट खबरों में दावा किया जा रहा है कि बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने इस फिदायीन हमले की जिम्मेदारी ली है। रिपोर्ट के मुताबिक, उसने ने कहा, बीएलए की फिदायीन इकाई मजीद ब्रिगेड ने क्वेटा कैंट से पाकिस्तानी सेना के जवानों को ले जा रही एक ट्रेन को फिदायीन हमले में निशाना बनाया है। बीएलए इस अभियान की पूरी जिम्मेदारी लेती है। धमाके के बाद भारी गोलीबारी होने की भी खबर है।

पेशावर जाने वाली ट्रेनों को रोका

पाकिस्तानी मीडिया अनुसार, विस्फोट के तुरंत बाद, एहतियाती उपाय के तौर पर पेशावर जाने वाली जाफर एक्सप्रेस को क्वेटा रेलवे स्टेशन पर ही रोक दिया गया। प्रांतीय गृह मंत्री के प्रवक्ता बाबर यूसुफजई ने बताया कि धमाके के बाद सभी संबंधित सुरक्षा संस्थानों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

बचाव कार्य के साथ जांच भी प्रारंभ

प्रांतीय गृह मंत्री ने आम जनता से अपील की है कि वे घटनास्थल के आसपास भीड़ न जमा करें ताकि बचाव दल और आपातकालीन सेवाएं बिना किसी बाधा के अपना काम जारी रख सकें। फिलहाल, सुरक्षा बल और राहत टीमें घटनास्थल पर पहुंच चुकी हैं और बचाव कार्य के साथ-साथ मामले की जांच भी शुरू कर दी गई है।

बैठक के बाद बोले अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो

भारत से संबंध बहाल करने नहीं मजबूत करने आया हूं : रुबियो

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत दौरे पर हैं। आज उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान रुबियो ने भारत और अमेरिका को 'रणनीतिक सहयोगी' बताया। रुबियो ने कहा, आज का पहला दिन शानदार रहा है। हम आज की अपनी यात्राओं और वार्ताओं के लिए उत्सुक हैं। अमेरिका और भारत सिर्फ सहयोगी नहीं हैं; हम रणनीतिक सहयोगी हैं, और दोनों में संबंध सबसे ताकतवर हैं जो की बेहद महत्वपूर्ण है। रुबियो 26 मई को दिल्ली में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगे। इसमें हिंद-प्रशांत सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता पर चर्चा किए जाने की उम्मीद है। बैठक के दौरान जयशंकर और रुबियो में ईरान युद्ध, होर्मुज, रूस-यूक्रेन युद्ध, ऊर्जा संकट, आतंकवाद, व्यापार और हिंद प्रशांत क्षेत्र जैसे कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

रुबियो बोले- भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदार

रुबियो ने कहा, भारत-अमेरिका साझेदारी किसी विशेष क्षेत्र तक सीमित नहीं है। यह साझेदारी एशिया से परे सहित दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के अवसर खोलती है। हमारी रणनीतिक साझेदारी ही इस रिश्ते को अलग बनाती है, क्योंकि यह केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है। यह संबंधों को बहाल करने के बारे में नहीं है। यह उस साझेदारी को आगे बढ़ाने के बारे में है जो हमारे पास पहले से ही है।

समय जटिल पर सार्थक चर्चा की उम्मीद : जयशंकर

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका एक गहरी और व्यापक रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं। उन्होंने कहा, दोनों देशों के बीच संबंध कई क्षेत्रों और वैश्विक मुद्दों को प्रभावित करते हैं और दोनों पक्ष कई मामलों पर समान हित साझा करते हैं। हमारी एक व्यापक, रणनीतिक, वैश्विक साझेदारी है जो गहन और विस्तृत सहयोग पर आधारित है। ये जटिल समय हैं, लेकिन मजबूत साझेदारों के रूप में मुझे विश्वास है कि हम बहुत ही सार्थक चर्चा करेंगे।

रूस ने दागी हाइपरसोनिक मिसाइल यूक्रेन पर 600 ड्रोन से भी हमला

कीव में तबाही का मंजर

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध अब और अधिक खतरनाक मोड़ लेता दिख रहा है। यूक्रेन की राजधानी कीव में रविवार रात विनाशकारी हमले देखने को मिले, जब रूस ने ड्रोन और मिसाइलों की भारी बौछार कर दी। यह हमला हाल के हफ्तों में कीव पर हुए सबसे बड़े हमलों में से एक माना जा रहा है। हमले के बाद शहर के कई हिस्सों में आग, धमाकों और धुएं का भयावह मंजर देखने को मिला। यूक्रेन के अधिकारियों ने बताया कि हमले में कम से कम चार लोगों की मौत हुई है, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए हैं। कई रिहायशी इमारतें, स्कूल, बाजार और व्यावसायिक भवन क्षतिग्रस्त हो गए।

सैकड़ों ड्रोन और 90 मिसाइलों से कीव पर हमला : यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक, रूस ने इस हमले में करीब 600 ड्रोन और 90 मिसाइलों का इस्तेमाल किया। यूक्रेन की एयर डिफेंस प्रणाली ने बड़ी संख्या में ड्रोन और मिसाइलों को मार गिराया, लेकिन कई हथियार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में सफल रहे।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने की कड़ी आलोचना

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने इस बार 'ओरेशनिक' नामक शक्तिशाली हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल का भी इस्तेमाल किया। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रूस की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह हमला किसी सैन्य लक्ष्य पर नहीं बल्कि आम नागरिकों को नुकसान पहुंचाने के लिए किया गया।

गंगा दशहरा...

हरिद्वार। गंगा दशहरा पर हर की पौड़ी में डुबकी लगाते श्रद्धालु।

नाबालिग से रेप के दोषी मौलवी को उम्रकैद

हमीरपुर। हमीरपुर की विशेष पॉक्सो अदालत ने एक नाबालिग छात्रा से बलात्कार के मामले में एक मौलवी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई और जुर्माना लगाया। कुरारा थाना क्षेत्र के एक गांव में 29 नवंबर 2023 को 11 वर्षीय एक लड़की अपने चचेरे भाई के साथ एक मस्जिद में मौलवी मुंतजिर आलम से अरबी पढ़ने गई थी। उन्होंने बताया कि पढ़ाई खत्म होने के बाद आलम ने बाकी सभी बच्चों को घर भेज दिया लेकिन पीड़िता को घर के काम का बहाना करके रोक लिया और जब वह घरेलू काम कर रही थी तभी आरोपी ने उससे बलात्कार किया। सिंह ने कहा कि शाम को घर लौटकर पीड़िता ने अपने परिजन को घटना के बारे में बताया तो परिजन ने आरोपी मौलवी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई।

भारतीय नौसेना को मिलेगा नया अदृश्य हथियार, दुश्मनों के उड़ेंगे होश

किरणों से ही दुश्मनों के जहाज और ड्रोन हो जाएंगे बेकार

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत अब दुनिया के चुनिंदा देशों की उस एलीट क्लब में शामिल होने जा रहा है, जिनके पास हाई-पावर माइक्रोवेव तकनीक है। भारतीय नौसेना ने टॉन्बो इमेजिंग कंपनी को अदिति 3.0 प्रोजेक्ट के तहत स्वदेशी एचपीएम सिस्टम विकसित करने, एकीकृत करने और नौसैनिक प्लेटफॉर्म्स पर लगाने का कॉन्ट्रैक्ट दिया है। एचपीएम एक डायरेक्टेड एनर्जी वेपन है। यह पारंपरिक गोला-बारूद या मिसाइलों की जगह बेहद शक्तिशाली माइक्रोवेव किरणों का इस्तेमाल करता है। ये किरणें दुश्मन के इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, राडार, सेंसर, कम्युनिकेशन उपकरण और ड्रोन को नष्ट या बेकार कर सकती हैं। खास बात यह है कि यह बिना किसी विस्फोट के काम करता है। दुश्मन के जहाज, विमान या ड्रोन को बिना फिजिकली हिट किए निष्क्रिय कर सकता है।

झुंड में हमला करने वाले ड्रोन को करेगा खत्म

आजकल समुद्री क्षेत्र में सस्ते स्वार्म ड्रोन (झुंड में हमला करने वाले ड्रोन) बड़े खतरे बन गए हैं। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में हालिया घटनाएं इसका उदाहरण हैं। यह सिस्टम ऐसे हमलों का मुकाबला करने में बेहद कारगर साबित हो रहा है क्योंकि एक साथ कई लक्ष्यों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से बेकार किया जा सकता है। भारत अब इस उभरती तकनीक को नौसेना के जहाजों पर लगाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

अदिति 3.0 प्रोजेक्ट के तहत हुआ कॉन्ट्रैक्ट

यह प्रोजेक्ट रक्षा मंत्रालय के तहत आईडीईएक्स और डिफेंस इनोवेशन ऑर्गनाइजेशन द्वारा समर्थित अदिति 3.0 फ्रेमवर्क के अंतर्गत चलाया जा रहा है। टॉन्बो इमेजिंग कंपनी इस प्रणाली को विकसित करेगी और सफल परीक्षणों के बाद नौसेना के कई प्लेटफॉर्म्स पर इसे लगाया जाएगा। प्रोजेक्ट की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें एचपीएम सिस्टम के जरूरी कंपोनेंट्स - वैक्यूम ट्यूब आधारित माइक्रोवेव सोर्स को स्वदेशी रूप से विकसित किया जा रहा है।

2047 तक 100% स्वदेशी लक्ष्य

भारतीय नौसेना का लक्ष्य है कि 2047 तक न सिर्फ युद्धपोत और पनडुब्बियां, बल्कि इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम डोमिनेंस, नॉन-काइनेटिक वारफेयर और भविष्य की डिटरेंस टेक्नोलॉजी भी पूरी तरह स्वदेशी हो जाए। एचपीएम प्रणाली इस दिशा में एक बड़ा कदम है। इससे नौसेना को बिना गोली दागे दुश्मन की इलेक्ट्रॉनिक क्षमता को बेअसर करने की शक्ति मिलेगी।

वर्तमान में इन देशों के पास है यह सिस्टम

वर्तमान में अमेरिका, चीन, रूस और कुछ यूरोपीय देश ही एचपीएम तकनीक में उन्नत माने जाते हैं। भारतीय नौसेना द्वारा एचपीएम सिस्टम का विकास एक गेम चेंजर साबित हो सकता है। यह तकनीक पारंपरिक हथियारों की तुलना में सस्ती, सटीक और प्रभावी है, खासकर स्वार्म ड्रोन और असममित खतरे के खिलाफ। अदिति 3.0 के तहत टॉन्बो इमेजिंग के साथ यह साझेदारी भारत को उन्नत डायरेक्टेड एनर्जी वेपन्स वाले देशों की सूची में शामिल करेगी।

जम्मू-कश्मीर में लिया जा रहा तगड़ा एक्शन

ड्रग्स केस से जुड़े 116 लोगों के पासपोर्ट किए जाएंगे रद्द

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर ने 11 मई को अपने नए 'नशा-मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' की शुरुआत कर नशीले पदार्थों के खिलाफ अपनी लड़ाई को और गंभीर बना दिया है। इस मुहिम के तहत, अधिकारियों ने उन 116 लोगों के पासपोर्ट रद्द करने की सिफारिश की है, जिन पर नशीली दवाओं की तस्करी से जुड़े होने का आरोप है। इनमें 94 पासपोर्ट जम्मू संभाग से और 22 कश्मीर संभाग से हैं। इस अभियान के चलते अब तक 890 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, और करीब 800 एफआईआर भी दर्ज हुई हैं।

नशीले पदार्थों और उग्रवाद के बीच संबंध : सिन्हा

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बताया कि नशीले पदार्थों की तस्करी से जो पैसा आता है, उसका इस्तेमाल

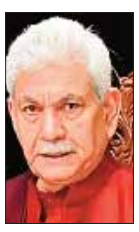

उग्रवादी संगठन हथियार खरीदने के लिए करते हैं। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि इस अवैध धंधे में शामिल किसी भी शख्स को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह कोई अधिकारी हो या आम नागरिक। इस अभियान का मकसद सिर्फ गिरफ्तारी करना नहीं है, बल्कि लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करना भी है।

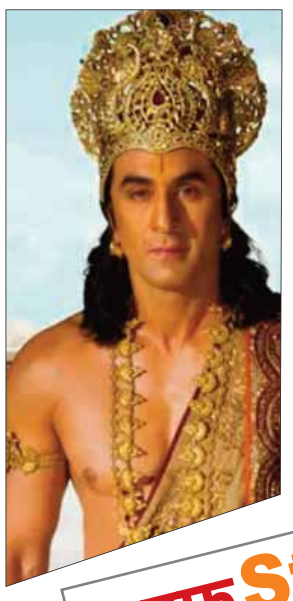

दिवाली से एक हफ्ते पहले आ सकती है रामायणम

नई दिल्ली। 'रामायणम' के मेकर्स ने एक मास्टरस्ट्रोक चला है। खबर है कि यह फिल्म अब दिवाली से एक हफ्ते पहले रिलीज हो सकती है। 30 अक्टूबर के आसपास यह सिनेमाघरों में आ सकती है। इसका कारण भी सामने आया है। वहीं, 450 करोड़ की ओटीटी डील भी चर्चा में है। नमित मल्होत्रा की 4,000 हजार करोड़ी 'रामायणम' जहां एक तरफ अपनी मोटी ओटीटी डील के कारण सुर्खियों में है, वहीं, दूसरी ओर अब इसे दिवाली से पहले रिलीज किए जाने की खबरें आ रही हैं। 'रामायणमः पार्ट 1' दिवाली के मौके पर 6 नवंबर को रिलीज होनी थी, पर अब कहा जा रहा है कि मेकर्स इसे एक हफ्ते पहले रिलीज करने के बारे में सोच रहे हैं।

लाइफ Style

रंजना

कान के अनुभव को बताया गर्व का पल

एजेंसी ⏭ मुंबई

वागले की दुनिया फेम दिग्गज अभिनेता अंजन श्रीवास्तव की बेटी और थिएटर कलाकार रंजना अंजन इन दिनों अपनी पहली फिल्म चांद तारा को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में कान फिल्म फेस्टिवल में लॉन्च हुआ।

फिल्म में रंजना, 17वीं सदी की मशहूर सिंगर और नृत्य कलाकार तारामती का किरदार निभा रही हैं। रंजना ने फिल्म में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा, 'तारामती एक ऐतिहासिक किरदार हैं। वह कुतुब शाही दौर की 17वीं सदी की मशहूर सिंगर और नृत्य कलाकार थीं। जो अब्दुल्ला कुतुब शाह के दरबार से जुड़ी थीं। उनके बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है। इसलिए उनके स्वभाव, सोच और पर्सनालिटी को समझने के लिए मुझे काफी हद तक अपने डायरेक्टर की दृष्टि और उनकी समझ पर भरोसा करना पड़ा।' जो चीज मुझे उनसे सबसे ज्यादा जोड़ती है, वो उनकी इमोशंस हैं। समय चाहे कोई भी हो, इंसान के इमोशंस नहीं बदलते। वर्षों तक मंच पर काम करते हुए जो अनुभव और सीख मिली, वही मुझे यहां तक लेकर आई। कान जैसे बड़े मंच पर अपनी पहली फिल्म का ट्रेलर लॉन्च होते देखना मेरे लिए बहुत इमोशनल और गर्व का पल था। एक पल के लिए लगा कि वर्षों की मेहनत का फल मिला है। लेकिन, दिल में आज भी यही लगता है कि यह मंजिल नहीं, बल्कि एक नई और खूबसूरत शुरुआत है।' रंजना ने अपने पिता अंजन श्रीवास्तव से मिली सीख के बारे में भी बात की।

हॉलीवुड मसाला

फाइनल चैप्टर की ओर एमिली

दिल्ली। 'एमिली इन पेरिस' ने अपने छठे और फाइनल सीजन की घोषणा कर दी है। एक पोस्ट के साथ मेकर्स ने तय किया कि आने वाला सीजन शो का आखिरी और फाइनल सीजन होगा। 21 मई को फाइनल सीजन की शूटिंग शुरू हुई और निर्माताओं ने ग्रीस से कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए इसका एलान किया। ऑनलाइन वायरल हो रही तस्वीरों में कई कलाकार खूबसूरत सेट पर पहुंचते नजर आए, जहां उन्होंने इस रोमांटिक कॉमेडी सीरीज के आखिरी चैप्टर की शूटिंग शुरू की।

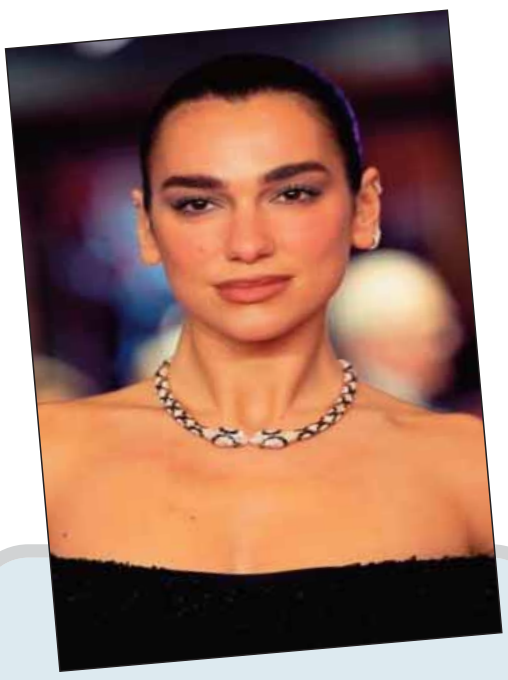

सिंगर दुआ ने दिग्गज टेक कंपनी पर ठोंका मुकदमा

लॉस एंजिल्स। ब्रिटिश सिंगर दुआ लिपा ने इलेक्ट्रॉनिक्स की एक दिग्गज कंपनी पर केस ठोंका है। मामला सिंगर की एक तस्वीर के बिना अनुमति इस्तेमाल से जुड़ा है। दुआ लीपा ने कंपनी के खिलाफ लीगल एक्शन लेते हुए हजाने में करोड़ों रुपये मांगे हैं। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, 'सिंगर दुआ लीपा ने टेक कंपनी सैमसंग पर 15 मिलियन डॉलर (करीब 125 करोड़ रुपए) का मुकदमा दायर किया है। उनका आरोप है कि कंपनी ने बिना उनकी अनुमति के टीवी की पैकेजिंग पर उनकी तस्वीर का इस्तेमाल किया'। शिकायत के अनुसार, दुआ लीपा ने दावा किया कि 2024 में ऑस्टिन सिटी लिमिट्स म्यूजिक फेस्टिवल के दौरान ली गई उनकी एक बैकस्टेज तस्वीर का इस्तेमाल, 2025 से शुरू होने वाले सैमसंग टेलीविजन के कई मॉडलों की पैकेजिंग पर किया गया।

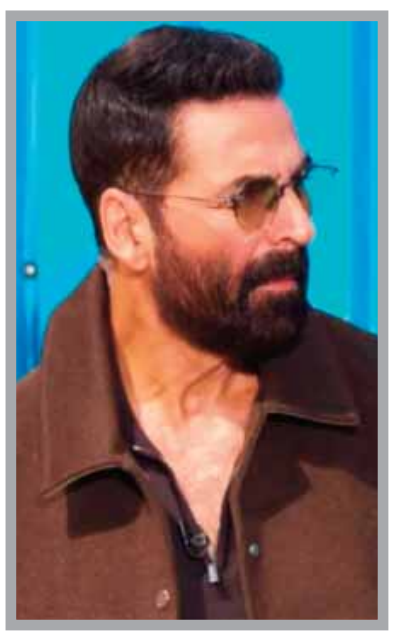

एलियन थ्रिलर समुक में आएंगे नजर...

नई दिल्ली। भूत बंगला की कामयाबी के बाद अब अक्षय कुमार एक और थ्रिलर फिल्म के साथ बॉक्स ऑफिस पर तबाही मचाने की तैयारी में हैं। खिलाड़ी कुमार की नई फिल्म आ रही है जो एलियन एक्शन थ्रिलर समुक है। अक्षय कुमार की आगामी फिल्म समुक भारत की पहली बड़े स्तर की एलियन थ्रिलर बताई जा रही है। फिल्म का निर्देशन सनक, इनसाइड एज और ग्लोरी जैसे प्रोजेक्ट्स बना चुके कनिष्क वर्मा करने वाले हैं, जबकि फिल्म का निर्माण विपुल अमृतलाल शाह कर रहे हैं। अक्षय कुमार ने समुक का हिस्सा बनने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा, "हां मैंने यह फिल्म साइन की है। समुक की कहानी और विषय मुझे बेहद दिलचस्प लगे। एलियन थ्रिलर मेरे लिए और हमारी फिल्मों के लिए बिल्कुल नया जॉनर है। मैं इसे लेकर काफी उत्साहित हूं।

डेविड लेंगे संन्यास करण हुए भावुक...

नई दिल्ली। डेविड धवन ने 6 साल बाद फिल्मों में बतौर निर्देशक वापसी की, लेकिन अब वह संन्यास लेने का मन बना चुके हैं और अपनी आखिरी फिल्म के बाद रिटायरमेंट की अनाउंस करने की योजना बना रहे हैं। इस बात का खुलासा करण जौहर ने किया है। करण ने बताया है कि डेविड ने उन्हें बताया है कि वह जल्द ही संन्यास लेने वाले हैं। करण, डेविड के रिटायरमेंट की बात पता चलने पर भावुक हो गए। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कहा, 'कल जब मैं डेविड जी के सेलिब्रेशन में गया और उन्होंने मुझे बताया कि यह उनकी आखिरी फिल्म आने वाली है। तो मेरे दिल में एक मिली-जुली सी भावना उमड़ पड़ी। सोचिए, यह एक ऐसे फिल्ममेकर हैं जो फिल्मों की एक पूरी की पूरी नई शैली बनाने के लिए जिम्मेदार हैं।

टीवी मसाला

पहले ही टास्क में मजबूत खिलाड़ी का एविक्शन पक्का!

नई दिल्ली। स्टंट बेस्ड रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 की शुरुआत हो गई है। साउथ अफ्रीका के केप टाउन में खतरनाक खेल में एक कंटेस्टेंट की बली चढ़ने वाली है। रोहित शेट्टी होस्टेड खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 में इस बार पुराने खिलाड़ी भी खतरों से खेलने लौटे हैं। शो में खतरनाक गेम शुरू हो गया है और पहले टास्क में दो खिलाड़ी सेफ हो गए हैं, जबकि दो को फियर फंदा में डाला गया है। इसका मतलब है कि फियर फंदा में पहुंचने वाले दो कंटेस्टेंट्स में से कोई एक अब घर वापसी करने जा रहा है। शो से जुड़े बड़े अपडेट्स आए हैं, जो आपकी दिलतस्पी को और भी बढ़ा देगा। खतरों के खिलाड़ी 15 से जुड़े अपडेट्स देने वाले एक इंस्टाग्राम पेज ने बताया है कि शो का पहला टास्क कंप्लीट हो गया है। केप टाउन में हुए इस खतरनाक गेम में दो खिलाड़ियों ने बाजी मार ली और वह हैं बिग बॉस सीजन 19 के विनर गौरव खन्ना और फर्स्ट रनर-अप फरहाना भट्ट है। जी हां, खबरों की मानें तो दोनों खिलाड़ी पहले टास्क में सेफ हो चुके हैं। बाकी दो कंटेस्टेंट्स पर एलिमिनेशन की तलवार लटक रही है। पहले टास्क में सही परफॉर्मेंस न करने के बाद उन्हें फियर फंदा मिला है। यह कंटेस्टेंट्स हैं ओरी और ऋत्विक धनजानी हैं। कहा जा रहा है कि दोनों फियर फंदा में हैं। दोनों में से कोई भी फियर फंदा टास्क हारा तो वह एलिमिनेट हो जाएगा। इस सीजन में नए खिलाड़ियों के साथ पुराने कंटेस्टेंट्स को भी लिया गया है। शो में रुबीना दिलैक, फरहाना भट्ट, गौरव खन्ना, करण वाही, रित्विक धनजानी, हर्ष गुजराल, ओरी, जैस्मिन भसीन, शगुन शर्मा, अविनाश मिश्रा, रुहानिका धवन, अविका गौर, विशाल आदित्य सिंह हैं।

ओटीटी पर छाया पुरानी मूवी का नया वर्जन

नई दिल्ली। ओटीटी पर अक्सर एक न एक नई फिल्म या वेब सीरीज ट्रेंडिंग में बनी रहती है। लेकिन हैरानी तब होती है, जब कोई पुराना थ्रिलर ओटीटी पर धमाल मचा रहा होता है।

इस मामले में एक 6 महीने पुरानी फिल्म का नया वर्जन हाल ही में ऑनलाइन स्ट्रीम किया गया है, जो आते ही ऑडियंस की पहली पसंद बन गया है। आलम ये है कि अब ये फिल्म ओटीटी पर नंबर-2 पर ट्रेंड कर रही है और पूरे इंडिया में फैंस का भरपूर मनोरंजन कर रही है। हाल ही में रणवीर सिंह स्टारर धुरंधर पार्ट-1 का रॉ और अनदेखा वर्जन ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया गया है। ओटीटी पर आते ही धुरंधर के इस नए वर्जन ने अपना कमाल दिखाना शुरू कर दिया है और ये मूवी फिलहाल नेटफ्लिक्स पर नंबर-2 पर ट्रेंड कर रही है।

कान का हुआ समापन, अवॉर्ड के मामले में खाली रही भारत की झोली

मुंबई। शनिवार देर रात कान फिल्म फेस्टिवल का समापन हो गया। आखिरी दिन इस इवेंट से ऐश्वर्या राय का ग्लैमरस लुक सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर छा गया। लेकिन अवॉर्ड के मामले में भारत की झोली खाली ही रही। ऐश्वर्या राय हर साल कान फेस्टिवल के आखिरी दिनों में रेड कारपेट पर नजर आती हैं और सारी लाइमलाइट लूट लेती हैं। शनिवार देर रात ऐश्वर्या राय का कान फेस्टिवल से लास्ट लुक सामने आया। यह लुक अब सोशल मीडिया पर चर्चा में है। ऐश्वर्या राय व्हाइट पैंटसूट में रेड कारपेट पर छा गईं। एक तरफ जहां उनकी वजह से कान फेस्टिवल के रेड कारपेट पर भारत का जलवा देखने को मिला, वहीं अवॉर्ड के मामले में निराशा ही हाथ लगी। कान फेस्टिवल के आखिरी दिन ऐश्वर्या राय ने व्हाइट पैंटसूट के साथ एक फेदर लेस वाला बोआ स्कार्फ टीमअप किया था। इससे उनका लुक और भी खूबसूरत नजर आने लगा। पैंटसूट के साथ ऐश्वर्या ने डायमंड रिंग पहनकर अपने लुक को कंप्लीट किया था। फैंस ने भी ऐश्वर्या के इस लुक को खूब पसंद है, उन्हें कान फेस्टिवल की क्वीन कह दिया है। इस बार कान फिल्म फेस्टिवल में कुछ भारतीय फिल्मों का प्रीमियर भी हुआ, इस लिस्ट में अम्मा अरियन, बालनः द बॉय, चर्डीकला, 21 सितंबर, शैडोज ऑफ द मूनलेस नाइट और स्पिरिट ऑफ द वाइल्डफ्लावर शामिल रहीं। अवॉर्ड के मामले में भारत की झोली कान फिल्म फेस्टिवल में खाली ही रहीं।

एक-दूसरे पर जान छिड़कते हैं फिल्म जगत के ये भाई

मुंबई। भाई एक ऐसा रिश्ता है, जिसके होने से एक भरोसा मजबूत होता है कि कोई संभाल लेगा। मन की जो बातें किसी दोस्त या रिश्तेदार से शेयर करने में सहज न हों, उन्हें भाई-बहन आपस में शेयर कर लेते हैं। इमोशनली इंसान थोड़ा और मजबूत होता है। तभी तो भाई के रिश्ते को सबसे खास, मजबूत और भरोसेमंद रिश्ते में गिना जाता है। हम आपको बॉलीवुड के कुछ ऐसे ही भाइयों से रूबरू करा रहे हैं।

भाई-बहनों पर जान छिड़कते हैं भाईजान

सलमान खान को यूं तो बॉलीवुड में भाईजान कहा जाता है। वे जिसे अपना मान लें और कोई उन्हें भाई कह दे तो फिर वे अपने सगे भाई की तरह उससे रिश्ता निभाते हैं। अपने घर में भी वे बड़े भाई की जिम्मेदारी को बखूबी निभा रहे हैं। छोटे भाइयों-अरबाज खान और सोहेल खान के लिए वे आधी रात भी मदद को तैयार रहते हैं। सिर्फ भाई ही नहीं, दोनों बहनों-अलवीरा और अर्पिता खान शर्मा के साथ भी उनकी गजब बॉन्डिंग है।

देओल ब्रदर्स

सनी देओल और बॉबी देओल के बीच गजब की बॉन्डिंग है। दोनों के रिश्ते में प्यार और अपनेपन के साथ-साथ सम्मान और बड़े-छोटे का लिहाज भी देखने को मिलता है। बॉबी देओल कई इंटरव्यू में खुलकर यह बात कह चुके हैं कि उनके भैया सनी देओल ने उन्हें कितना सपोर्ट किया है। अक्सर वे अपने बडे भाई और परिवार के बारे में बात करते हुए इमोशनल हो जाते हैं।

खुराना भाई

आयुष्मान खुराना और अपारशक्ति खुराना के बीच भी कुछ ऐसा ही प्यार देखने को मिलता है। दोनों भाई इंडस्ट्री में एक्टिव हैं। भाई का रिश्ता होने के साथ-साथ दोनों के बीच एक दोस्ती भी देखी जाती है।

कौशल ब्रदर्स

अभिनेता विक्की की अपने छोटे भाई सनी कौशल के साथ शानदार बॉन्डिंग है। दोनों के बीच भाइयों वाला प्यार और अपनापन है और साथ ही दोस्ती भी है।

32 साल तक नहीं टूटा रिकॉर्ड, मात्र 2 लाख के बजट में कमाए 1 करोड़

3 साल थिएटर्स से नहीं हटी थी 80 साल पुरानी फिल्म

नई दिल्ली। 80 साल पहले बड़े पर्दे पर एक ऐसी फिल्म रिलीज हुई जिसका रिकॉर्ड कोई भी फिल्म 32 साल तक नहीं तोड़ पाई। ये फिल्म 3 साल तक थिएटर में टिकी रही। इस फिल्म को बनाने में सिर्फ 2 लाख की लागत आई थी, लेकिन इसकी कमाई 1 करोड़ से भी ज्यादा थी। 1940 का दशक वह दौर था जब पूरा विश्व और भारत द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका तथा स्वतंत्रता संग्राम की हलचलों से गुजर रहा था। इसी कठिन समय में साल 1943 में एक ऐसी फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई, जिसने देश के दर्शकों को अपना दीवाना बना लिया। उस जमाने में फिल्मों का हफ्तों तक चलना ही बड़ी बात होती थी, लेकिन इस फिल्म ने कामयाबी के सारे पिछले रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। थिएटरों के बाहर टिकटों के लिए मीलों लंबी लाइनें लगती थीं और हर शो पूरी तरह हाउसफुल रहता था। लोग एक ही फिल्म को बार-बार देखने सिनेमाघर पहुंच रहे थे। इसी अभूतपूर्व दीवानगी की वजह से इस फिल्म को भारतीय सिनेमा के इतिहास की पहली 'ऑल-टाइम ब्लॉकबस्टर' फिल्म का दर्जा मिला। हम बात कर रहे हैं ऐतिहासिक फिल्म 'किस्मत' की।

बॉक्स ऑफिस पर करोड़ों की कमाई

उस दौर में अधिकांश फिल्मों का ताना-बाना एक जैसे विषयों के इर्द-गिर्द बुना जाता था, लेकिन 'किस्मत' ने एक बेहद अनोखी और साहसी कहानी पेश की। प्रतिष्ठित फिल्म निर्माण कंपनी 'बॉम्बे टॉकीज' के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन ज्ञान मुखर्जी ने किया था। सबसे हैरान करने वाली बात यह थी कि यह फिल्म बेहद सीमित संसाधनों और मात्र 2 लाख रुपए के मामूली बजट में तैयार की गई थी, लेकिन जब यह रिलीज हुई तो इसकी सफलता ने फिल्म समीक्षकों और निर्माताओं को चौंका दिया। उस दौर में करोड़ों की कमाई का सपना देखना भी नामुमकिन था, लेकिन 'किस्मत' ने बॉक्स ऑफिस पर करीब 1 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर इतिहास रच दिया। इस फिल्म ने साफ कर दिया कि यदि कहानी में दम हो तो बजट मायने नहीं रखता।

हिंदी सिनेमा के पहले असली सुपरस्टार

इस फिल्म की अपार सफलता ने मुख्य अभिनेता अशोक कुमार को रातों-रात लोकप्रियता के उस शिखर पर पहुंचा दिया, जहां उनसे पहले कोई नहीं पहुंचा था। 'किस्मत' के बाद उन्हें हिंदी सिनेमा का पहला 'सुपरस्टार' कहा जाने लगा। फिल्म में उनके साथ मशहूर अभिनेत्री मुमताज शांति नजर आई थीं। अशोक कुमार ने फिल्म में एक ऐसे चोर का किरदार निभाया था, जो अंदर से साफ दिल का है। उस दौर के सिनेमा के लिए यह एक बिल्कुल नया और बोल्ड प्रयोग था। दर्शक उनके इस स्टाइलिश अंदाज और अभिनय के इस कदर मुरीद हुए कि सिनेमाघरों में उनके दृश्यों पर जमकर तालियां और सीटियां बजती थीं।

बोल्ड विषय और अमर देशभक्ति गीत

'किस्मत' की कहानी अपने समय से काफी आगे मानी गई थी। फिल्म में बिना शादी के एक युवती के गर्भवती होने जैसे बेहद संवेदनशील और गंभीर मुद्दे को दिखाया गया था। समाज के एक वर्ग ने इस पर आपत्ति भी जताई, लेकिन आम दर्शकों ने इस प्रगतिशील सोच का खुलकर स्वागत किया। इसके अलावा कवि प्रदीप द्वारा लिखा गया फिल्म का एक गीत 'दूर हटो ऐ दुनिया वालों, हिंदुस्तान हमारा है' जबरदस्त हिट रहा। इस गाने ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ संघर्ष कर रहे भारतीयों में देशभक्ति का नया जोश भर दिया और यह गीत हर स्वतंत्रता सेनानी की जुबान पर चढ़ गया।

रॉक्सी सिनेमा का वो अटूट रिकॉर्ड

इस फिल्म की लोकप्रियता का सबसे बड़ा प्रमाण कोलकाता का रॉक्सी सिनेमा बना। वहां यह फिल्म बिना रुके लगातार 187 हफ्तों यानी लगभग साढ़े तीन साल तक चलती रही। यह अपने आप में एक ऐसा कीर्तिमान था, जिसे अगले 32 सालों तक भारतीय सिनेमा की कोई भी दूसरी फिल्म नहीं तोड़ सकी थी। बाद में इस फिल्म की लोकप्रियता को भुनाने के लिए इसे तमिल और तेलुगु भाषाओं में भी रीमेक किया गया। आज आठ दशक से भी ज्यादा का समय बीत जाने के बाद भी 'किस्मत' को भारतीय फिल्म जगत की सबसे मील का पत्थर और ऐतिहासिक फिल्मों में बेहद सम्मान के साथ गिना जाता है।